अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2016) | दिनांक 20.12.2016

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

बावन बोल – 25

प्र.1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) नौ तत्त्व के एक सौ पन्द्रह बोलों की पृच्छा।

(ख) इन्द्रियाँ कितने भाव, कितनी आत्मा?

(ग) आठ कर्मों का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 9

(क) बाईस परीषह किस–किस कर्म के उदय से?

(ख) उदय के तैंतीस बोलों में कौन–कौन आत्मा?

(ग) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ङ) अठारह पापस्थान का उदय, उपशम, क्षायिक क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) व्रत–अव्रत कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) आठ आत्मा में शाश्वत कितनी? अशाश्वत कितनी?

(ग) जीव को जीव जाने यावत् मोक्ष को मोक्ष जाने तो कितने भाव?

(घ) आठ आत्मा में द्रव्यजीव कितनी? भाव जीव कितनी?

(ड.) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

इक्कीस द्वार – 25

प्र.4 कोई चार बोल पूरे लिखें – 20

(क) अपरीत (ख) अज्ञानी (ग) तेजस्काय (घ) सास्वादन सम्यक्त्वी (ङ) स्त्री वेदी

(च) चतुरिन्द्रिय।

प्र.5 कितने व कौन से पाते हैं? एक या दो शब्दों में उत्तर दें (कोई पांच) 5

(क) वचनयोगी – जीव के भेद, योग। (ख) क्रोध कषायी – गुणस्थान व उपयोग।

(ग) मति अज्ञानी, श्रुत अज्ञानी – दृष्टि, आत्मा। (घ) अनाहारक – वीर्य, गुणस्थान।

(ड.) असंज्ञी – दण्डक व योग। (च) अपर्याप्त – गुणस्थान व उपयोग।

(छ) अवेदी – गुणस्थान व उपयोग।

जैन तत्त्वप्रवेश : द्वितीय व तृतीय खण्ड – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 5

(क) चार अनुयोग कौन से हैं?

(ख) खटमल में इन्द्रियाँ कितनी?

(ग) दान किसे कहते हैं?

(घ) परोक्ष ज्ञान के पांच भेदों के नाम लिखें।

(ङ) पाप छह में कौन? नौ में कौन?

(च) विचिकित्सा का अर्थ लिखें।

(छ) निक्षेप के भेदों के नाम लिखें।

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) सप्तभंगी लिखें।

(ख) आगम किसे कहते हैं? उपांग के नाम लिखें।

(ग) नीम आंबादिक.....धर्म केम। लाडू घेवर.....न थाय। इन दो दोहों को पूरा करें।

(घ) सम्यक् दर्शन किसे कहते हैं, दोहे सहित लिखें व सम्यक्त्व के भूषण व्याख्या सहित लिखें।

(ङ) श्रावक चिंतन द्वार लिखें।

(च) गुणस्थान किसे कहते हैं? सातवें आठवें व नौवें गुणस्थान का वर्णन करें।

(छ) धर्म–अधर्म द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए, अनगार धर्म के पांच भेद हैं, उसके पहले तक लिखें।

प्र.8 कोई दो द्वार लिखें। 10

(क) प्रश्नोत्तर द्वार में देव व नारक की पृच्छा लिखें।

(ख) प्रमाण द्वार में से नय किसे कहते हैं, से प्रारंभकर अंत तक लिखें।

(ग) पुण्य–पाप द्वार लिखें।

(घ) व्रताव्रत द्वार – अनगार धर्म पालने वालों.....से प्रारंभ कर प्रथम तीन दोहे तक लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 20

प्र.9 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 8

पच्चीस बोल – (क) बंध तत्त्व के भेद (ख) नवां दंडक

चतुर्भंगी – (ग) आत्मा किस कर्म का उदय

(घ) किस संवर के जीव कम, किस संवर के जीव अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा – (ङ) आठ दण्डक किसमें (च) जीव के छह भेद किसमें?

तत्त्वचर्चा – (छ) सामायिक पुण्य या पाप? (ज) अधर्म और अधर्मी एक या दो?

(झ) आतप नाम किसे कहते हैं?

(ञ) किस कर्म के उदय से जीव सबको प्रिय लगता है?

प्र10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) दर्शनावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

'अथवा'

आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) प्रतिक्रमण – रत्नत्रय वाला पद्य लिखें।

'अथवा'

क्षमा–याचना सूत्र लिखें।

(ग) जैनतत्त्व प्रवेश – भेद द्वार

'अथवा'

दृष्टांत द्वार – पुण्य–पाप दृष्टांत द्वारा समझाऐं।